सांस है जब तलक ना रुकेंगे कदम लिरिक्स

सांस है जब तलक,ना रुकेंगे कदम,
चल पड़े हैं तो मंजिल को पा जायेंगे ।
जान प्यारी नहीं है वतन से हमें,
मरते मरते सभी को बता जाएंगे ।।

ऐ वतन..ऐ वतन..ऐ वतन..ऐ वतन..

वो जवानी जो खूँ को जलाती नहीं,
वो वतन के लिए रंग लाती नहीं ।
दाग लेकर गुलामी का क्यों हम जियें,
सोच कर रातों को नींद आती नहीं ।।

सांस है जब तलक,ना रुकेंगे कदम,
चल पड़े हैं तो मंजिल को पा जायेंगे ।
जान प्यारी नहीं है वतन से हमें,
मरते मरते सभी को बता जाएंगे ।।

ऐ वतन..ऐ वतन..ऐ वतन..ऐ वतन..

हमने तय कर लिया,हमने ले ली कसम,
खूँ से अपने सीचेंगे अपना चमन ।
जान लेकर हथेली पे हम चल दिए,
बांधकर सर पे निकले हैं हम ये कफ़न ।।

सांस है जब तलक,ना रुकेंगे कदम,
चल पड़े हैं तो मंजिल को पा जायेंगे ।
जान प्यारी नहीं है वतन से हमें,
मरते मरते सभी को बता जाएंगे ।।

ऐ वतन..ऐ वतन..ऐ वतन..ऐ वतन..

https://allbhajanlyrics.com/saans-hai-jab-talak-na-rukenge-kadam-lyrics/